हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 1 मार्च 2026

13 आर्गेनिक खेतीबाड़ी को बढ़ावा देकर बीमारियों...

14 चोरी का माल बरामद नहीं करने पर बड़कोदा...

खबर संक्षेप

निजीकरण के खिलाफ धरना कल

नारनौल। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के निजीकरण के खिलाफ दो मार्च को डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल महेंद्रगढ़ रोड पर धरना दिया जाएगा। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष शेरसिंह व सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के प्रधान कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने बताया कि सभी को निःशुल्क चिकित्सा, स्वास्थ्य, रोजगार मिले, लेकिन वर्तमान सरकार पूर्ववर्ती सरकारों की तरह शिक्षा को व्यवसाय बना दिया।

शांति कुंज में होली मिलन समारोह आज

मंडी अटेली। शांति कुंज प्रभुजन निवास (अनाथ आश्रम) अटेली में एक मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी अटेली के सरपंच देवेंद्र देवा होंगे। संस्था के सदस्य पवन राठौड़ ने बताया कि समारोह के दौरान वृद्ध बेसहाराओं के साथ फूलों एवं गुलाल से होली खेली जाएगी। जलपान की भी व्यवस्था की गई है।

जटेला धाम में फाल्गुन महोत्सव मेला 4 को

नारनौल। प्रति वर्ष की भांति तपोभूमि जटेला धाम में फाल्गुन महोत्सव दुलहैंडी मेला चार मार्च को होगा। जिसमें देश भर से हजारों श्रद्धालु उमड़ेंगे। यह जानकारी जटेला धाम के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने दी है। उन्होंने बताया कि स्वामी नितानंद महाराज की तपोभूमि जटेला धाम आश्रम झज्जर में तीन मार्च को सुबह 10 बजे स्वामी नितानंद महाराज की अमृतवाणी का अखंड पाठ का शुभारंभ होगा। अगले दिन चार मार्च को सुबह नौ बजे से सत्संग और भंडारे का संचालन होगा।

दोसौद में प्राचीन मेला व कुश्ती दंगल 4 को

मंडी अटेली। अटेली खंड की सीमा से सटे दोसौद गांव में चार मार्च को धुलंडी के अवसर पर प्राचीन मेला श्री नृसिंह महाराज एवं कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मेला अस्थल स्थित हनुमान महाराज मंदिर परिसर में आयोजित होगा। यह आयोजन प्रतिवर्ष ग्रामवासियों के सहयोग से श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न होता है। आयोजकों के अनुसार कुश्ती प्रतियोगिता दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। कुश्तियां 51 रुपये से प्रारंभ होकर मुख्य आकर्षण कामड़ा कुश्ती 21 हजार रुपये तक आयोजित की जाएगी।

नारनौल में बनेगा जिले का पहला 'दिव्यांग पार्क'

- नगर परिषद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के साथ 18 लाख रुपये की लागत से दिव्यांग अनुकूल पार्क विकसित करने के लिए टेंडर किए हुए हैं आमंत्रित

राजकुमार ⏭ नारनौल

शहर में जल्द ही दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया जिले का पहला दिव्यांग पार्क विकसित किया जाएगा। नगर परिषद की ओर से इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत करते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के साथ ही इस पार्क का निर्माण और सौंदर्यीकरण करने का निर्णय लिया गया है, जिसे पूरी तरह से दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है नगर परिषद प्रशासन की ओर से दिव्यांगों को मद्देनजर रखते हुए एक पार्क को विकसित किया जाना है। इसके लिए हुडा सेक्टर क्षेत्र की तरफ नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के साथ लगते पहले से बने छोटे पार्क को चिह्नित किया गया है। शहर में इस तरह का पहला दिव्यांग पार्क विकसित करना एक अहम कदम माना जा रहा है।

इससे न केवल दिव्यांगजनों को सम्मानजनक और सुविधाजनक सार्वजनिक स्थान मिलेगा, बल्कि समाज में समानता और संवेदनशीलता का संदेश भी जाएगा। नगर परिषद की यह पहल भविष्य में अन्य सार्वजनिक स्थलों को भी दिव्यांग अनुकूल बनाने की दिशा में प्रेरणा दे सकती है। यदि योजना समय पर पूरी होती है, तो आने वाले दिनों में शहर के नागरिकों को एक ऐसा पार्क देखने को मिलेगा, जो सुविधाओं के साथ-साथ संवेदनशील सोच का भी प्रतीक होगा।

नारनौल। वह पार्क, जिसे दिव्यांग पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं नप एमई

नगर परिषद का उद्देश्य शहर में सभी वर्गों के लिए समान सुविधाएं उपलब्ध कराना है। दिव्यांगजनों के लिए अलग से अनुकूल पार्क विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हमने लगभग 18 लाख रुपये की लागत से टेंडर आमंत्रित किए हैं। टेंडर खुलने के बाद एजेंसियों की तकनीकी जांच की जाएगी और जो एजेंसी हमारे मानकों पर खरी उतरेगी, उसे कार्य आवंटित कर दिया जाएगा। पार्क में दिव्यांग अनुकूल झूले, रैंप और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। परिषद की कोशिश है कि कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा हो, ताकि जल्द से जल्द शहरवासियों को इस नई सुविधा का लाभ मिल सके।

-सोहन सिंह, म्यूनिसिपल इंजीनियर, नगर परिषद, नारनौल

सौंदर्यीकरण और हरियाली पर भी रहेगा फोकस

पार्क के निर्माण के साथ-साथ उसके सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। पार्क में नई घास, आकर्षक पौधे, छायादार वृक्ष और सुंदर लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, ताकि यह स्थान न केवल दिव्यांगजनों, बल्कि उनके परिजनों और आम नागरिकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सके। शाम के समय बेहतर रोशनी की व्यवस्था से सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित होंगी।

टेंडर प्रक्रिया है जारी

नप ने इस पार्क के निर्माण, सौंदर्यीकरण तथा दिव्यांग अनुकूल झूले व अन्य उपकरण लगाने के लिए लगभग 18 लाख रुपये का अनुमानित बजट तय किया है। इसी बजट के तहत टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और निर्माण एजेंसियों से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। फिलहाल कुछ एजेंसियों ने टेंडर प्रक्रिया में भाग लिया है और टेंडर खुलने के बाद उनकी तकनीकी जांच की जाएगी। जो एजेंसी नगर परिषद के निर्धारित मानकों पर खरी उतरेगी, उसे कार्य आवंटित कर दिया जाएगा।

दिव्यांगजनों को मिलेगा अनुकूल वातावरण

इस पार्क की सबसे खास बात यह होगी कि यहां लगाए जाने वाले सभी उपकरण और झूले दिव्यांगजनों की सुविधा को ध्यान में रखकर डिजाइन किए जाएंगे। पार्क में व्हीलचेयर के अनुकूल रैंप, समतल पथ, विशेष रेलिंग, स्पर्श संकेतक (टैक्टाइल पाथ) और आरामदायक बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा श्रवण और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए भी अनुकूल सुविधाएं विकसित करने पर विचार किया गया है। नगर परिषद का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन भी सामान्य नागरिकों की तरह खुले वातावरण में सैर, व्यायाम और मनोरंजन का आनंद ले सकें। अक्सर देखा गया है कि सामान्य पार्कों में ऊबड़-खाबड़ रास्तों, सीढ़ियों और अनुपयुक्त उपकरणों के कारण दिव्यांगजनों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह पार्क उनके लिए एक समावेशी (इन्क्लूसिव) स्थान के रूप में विकसित किया जाएगा।

18 लाख रुपये की लागत से होगा विकास

नगर परिषद ने इस परियोजना के लिए करीब 18 लाख रुपये का अनुमानित बजट निर्धारित किया है। इसी राशि के अंतर्गत पार्क का निर्माण, समतलीकरण, रैंप निर्माण, उपकरणों की स्थापना और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। परिषद का मानना है कि सीमित बजट में भी यदि योजना को सही तरीके से लागू किया जाए तो यह पार्क जिले में एक मिसाल बन सकता है। टेंडर प्रक्रिया के तहत भाग लेने वाली एजेंसियों की तकनीकी योग्यता, पूर्व अनुभव और कार्य क्षमता का आंकलन किया जाएगा। वित्तीय बोली पर विचार करते हुए उपयुक्त एजेंसी को कार्य सौंपा जाएगा। परिषद के अधिकारियों का कहना है कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

आय ठीक करवाने के लिए समाधान कैंप में दस से बीस किलोमीटर तक जाना पड़ रहा

ऑप्शन 1 माह से बंद, 10वीं मार्कशीट से ठीक करवाएं माता-पिता का नाम

सरकार को आय दोबारा सत्यापित करवाने के लिए ऑनलाइन ऑप्शन देना चाहिए और उस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। हर जगह फैमिली आईडी को जरूरी कर दिया गया है

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

परिवार पहचान पत्र (फैमिली आईडी) आज प्रदेश के हर नागरिक के लिए एक अनिवार्य दस्तावेज बन चुका है। चाहे विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति का मामला हो, किसानों द्वारा मंडियों में फसल बेचने की प्रक्रिया हो, सामाजिक पेंशन का लाभ लेना हो या अन्य किसी भी सरकारी योजना का लाभ हो। हर जगह फैमिली आईडी को जरूरी कर दिया गया है। शुरुआती दौर में की गई तकनीकी और मानवीय त्रुटियों के कारण हजारों परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। नागरिकों का मत है कि आय ठीक करवाने के लिए समाधान कैंप में गांव से दस से बीस किलोमीटर तक जाना होता है फिर भी उनकी आय ठीक नहीं हो रही है। सरकार को आय दोबारा सत्यापित करवाने के लिए ऑनलाइन ऑप्शन देना चाहिए और उस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

नारनौल। सीएचसी केंद्र। फोटो : हरिभूमि

करेक्शन पोर्टल से नाम सुधार का ऑप्शन गायब

गड़बड़ियों को सुधारने के लिए विभाग ने करेक्शन पोर्टल पर कई विकल्प उपलब्ध कराए थे। जिनके माध्यम से आम नागरिक स्वयं या सीएससी केंद्र के जरिए अपने विवरण में संशोधन करवा सकते थे। लेकिन बीते लगभग एक माह से पोर्टल पर स्वयं का नाम बदलने का ऑप्शन हटा दिया गया है। इससे उन नागरिकों को परेशानी हो रही है जिनके नाम में वर्तनी की त्रुटि या अन्य तकनीकी गलती दर्ज है। हालांकि अब विभाग ने माता-पिता के नाम में सुधार के लिए नई व्यवस्था लागू की है।

सीएससी केंद्रों से करवा सकते हैं सुधार

सीएससी संचालक हरिओम, हितेश कुमार, सुदेश कुमार, राकेश कुमार, प्रदीप कुमार व नीरज कुमार का कहना है कि अधिकांश मामलों में माता या पिता के नाम की स्पेलिंग अलग-अलग दस्तावेजों में भिन्न है। अब दसवीं की मार्कशीट को प्राथमिक प्रमाण मानते हुए सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई है।

समाधान कैंप में भी नहीं हो रहा सुधार

सुमित कुमार का कहना है कि मेरी दसवीं की मार्कशीट और माता-पिता के आधार कार्ड से रिकॉर्ड भिन्न था जिसको लेकर मैंने समाधान कैंप में भी चक्कर लगाए, फिर भी माता-पिता का नाम ठीक नहीं हुआ। मुझे दसवीं की मार्कशीट में नाम बदलवाने की सलाह दी गई।

स्वयं का नाम सुधार विकल्प भी बहाल हो

कई नागरिकों ने मांग की है कि स्वयं का नाम बदलने या सुधारने का विकल्प भी जल्द से जल्द पोर्टल पर पुनः शुरू किया जाए। उनका कहना है कि छोटी-छोटी स्पेलिंग की गलतियों के कारण बैंकिंग, शिक्षा और अन्य सेवाओं में समस्या आती है। यदि ऑनलाइन सुधार की सुविधा उपलब्ध हो तो लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।

दसवीं की मार्कशीट के आधार पर कर सकते हैं नाम सुधार

सीएससी संचालक ऋषिदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि अब नागरिक अपने माता-पिता का नाम दसवीं की मार्कशीट के आधार पर ठीक करवा सकते है। उन्होंने कहा-अब फैमिली आईडी में माता-पिता का नाम दसवीं की मार्कशीट के अनुसार ठीक कराया जा सकता है। चाहे आधार कार्ड में नाम अलग दर्ज हो। यदि दसवीं की प्रमाणिक मार्कशीट में नाम सही है तो उसी के आधार पर संशोधन संभव है। यह सरकार का सराहनीय कदम है और हम इसका स्वागत करते है। इस निर्णय से उन विद्यार्थियों और परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी जिनके दस्तावेजों में अलग-अलग नाम दर्ज होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में अड़चन आ रही थी।

आधार से अलग नाम होने पर भी सुधार संभव

पहले कई मामलों में आधार कार्ड में दर्ज नाम को ही अंतिम माना जाता था। यदि आधार और फैमिली आईडी में अंतर होता था तो नागरिकों को आधार अपडेट करवाने की सलाह दी जाती थी। लेकिन अब नई व्यवस्था के अनुसार यदि दसवीं की बोर्ड मार्कशीट प्रमाणिक है तो उसी के आधार पर नाम में सुधार किया जा सकता है भले ही माता-पिता के आधार कार्ड में नाम अलग क्यों न हो। यह कदम विशेष रूप से उन परिवारों के लिए राहत लेकर आया है जिनके बच्चों की शैक्षणिक रिकॉर्ड और सरकारी रिकॉर्ड में अंतर होने के कारण छात्रवृत्ति, एडमिशन और अन्य लाभों में अड़चन आ रही थी।

नारनौल। पंचकूला से आई टीम के साथ सीएमओ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

106 पंचायतों को किया टीबी मुक्त पंचायत घोषित

टीबी मुक्त पंचायतों के रिकॉर्ड का अवलोकन

- 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस पर 106 ग्राम पंचायतों को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पंचकूला से आई टीम ने शनिवार को जिला महेन्द्रगढ़ में टीबी मुक्त पंचायतों के रिकॉर्ड का अवलोकन किया। इस दौरान पाया कि जिले में कुल 106 पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया गया है। इन गांवों में चार ग्राम पंचायतों को स्वर्ण, 50 ग्राम पंचायतों को रजत, 52 ग्राम पंचायतों को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। पदक में उन्हें महात्मा गांधी की प्रतिमा दी जाएगी। राज्य मुख्यालय एवं जिला महेन्द्रगढ़ की सत्यापन टीम की बैठक के बाद इन ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया।

बता दें कि टीबी मुक्त पंचायतों के लिए प्रस्तुत दोनों राज्य मुख्यालय पंचकूला की टीम व जिला महेन्द्रगढ़ की सत्यापन टीम की बैठक सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। जिसमें उपस्थित उप सिविल सर्जन टीबी डॉ. नवीन, चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपांशु जिला क्षय रोग केन्द्र, फार्मेसी अधिकारी रमन अरोड़ा, मुकेश कुमार निक्षय ऑपरेटर, डीपीसी, डीटीसी, फार्मेसी अधिकारी, डीईओ, डीटीसी, जिले के सभी एसटीएस, जिले के सभी टीबी एचवी व डीएमसी के सभी प्रयोगशाला अधिकारी ने भाग लिया।

बैठक में कुल 108 पंचायतों में से 106 ग्राम पंचायतों के दावों को सही पाया व उन्हें टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया गया। इन पंचायतों को 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस पर महात्मा गांधी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया जाएगा।

जिले में कब कितनी पंचायतें टीबी मुक्त

वर्ष	पंचायत
2023	9
2024	128
2025	106

बिजली कर्मी कल निकालेंगे मसाल जुलूस

नारनौल। बिजली निगम सर्कल के अधीन आने वाली सभी यूनिटों व सब यूनिटों के प्रधान/सचिव, कार्यकारिणी सदस्य और कर्मचारी साथी मिलकर दो मार्च को शाम पांच बजे से सात बजे तक मशाल जुलूस निकालेंगे। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन के यूनिट प्रधान सत्यप्रकाश ने बताया कि केंद्रीय परिषद के आदेश अनुसार ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी व 14 सूत्रीय मांग पत्र के विरोध में 2 मार्च को मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें सभी बिजली कर्मचारी सायं 5 बजे सिंघाना रोड स्थित सर्कल ऑफिस में बड़ी संख्या में इकट्ठा होंगे और मसाल जुलूस को कामयाब बनाएंगे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का आगाज

भारत में महिलाओं के बीच सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर

- मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र जिले से राज्य स्तर पर किया अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नागरिक अस्पताल में शनिवार को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को भविष्य में होने वाले जानलेवा कैंसर से सुरक्षित करना है। डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि यह एक सामान्य संक्रमण है, जो महिलाओं के प्रजनन तंत्र को प्रभावित करता है और गर्भाशय के निचले भाग के कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) का मुख्य कारण है। भारत में महिलाओं के बीच सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर है। यह टीका इस बीमारी से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। वर्तमान में विश्व के 160 देशों में किशोरियों को यह टीका लगाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र जिला से राज्य स्तर पर शुभारंभ किया।

नारनौल। टीकाकरण के बाद सर्टिफिकेट देते सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार।

तीन माह में 10 हजार किशोरियों को लगेगा टीका

उप सिविल सर्जन प्रतिरक्षण डॉ. नरेंद्र कुमार ने टीकाकरण की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि जिले में अगले तीन माह की अवधि में लगभग 10 हजार किशोरियों का टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन नागरिक अस्पताल में 23 किशोरियों को वैक्सीन की खुराक दी गई। आने वाले समय में यह टीकाकरण सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सा अधिकारियों की देखरेख में उपलब्ध कराया जाएगा।

डीसी की जनता से अपील, बेटियों की सुरक्षा का संकल्प लें

जिला महेंद्रगढ़ के उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने आमजन से अपील करते हुए कहाए कि एचपीवी का टीका, सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपनी 14 साल की बेटियों का टीकाकरण इस अभियान के तहत अनिवार्य रूप से करवाएं, ताकि उनके जीवन को सुरक्षित बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री से गुहार, दिसंबर में हुई बैठक में भी रख चुके मांग, चार स्कूलों के लिए मंजूर हो गए 60 लाख

महेंद्रगढ़ के शिक्षा से संबंधित अधूरे कार्यों को जल्द-से-जल्द पूरा करने का निवेदन

स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर की दशा सुधारने के लिए सांसद ने मांगा 16 करोड़ का बजट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर की दशा सुधारने के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने 16 करोड़ के बजट की मांग की है। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की दशा सुधारने के लिए सांसद ने पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत विभिन्न स्कूलों में चारदिवारी निर्माण या अधूरे कार्य को पूरा करने, कमरों एवं अन्य भवन निर्माण या मरम्मत आदि के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने मुख्यमंत्री से 16 करोड़ का फंड जारी करने की मांग की है। दिसंबर में दिल्ली के हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने जिला महेंद्रगढ़ के शिक्षा से संबंधित अधूरे कार्यों को जल्द-से-जल्द पूरा करने का निवेदन किया था।

इसके बाद दिसंबर के अंतिम सप्ताह में हुई विकास एवं निगरानी समिति की बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को इस बारे जल्द-से-जल्द ऐस्टिमेट बनाकर भेजने बारे कहा था। अब विभिन्न कार्यों के लिए 16 करोड़ की मांग की गई है, जिसे मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने संबंधित अतिरिक्त मुख्य सचिव को जल्द-से-जल्द पूरा करने बारे कहा है। संदीप मालड़ा ने बताया कि दिसंबर में हुई मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग के सकारात्मक परिणाम भी आने शुरू हो गए हैं।

जिले के चार स्कूलों के लिए 60.66 लाख रुपये जारी भी कर दिए गए हैं। जिले के 15 विभिन्न विद्यालय जर्जर घोषित हो चुके तथा उन्हें ढहाए जाने की अनुमति भी अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय से मिल चुके, कमरों अथवा अन्य भवनों को गिराए जाने की प्रक्रिया जल्द-से-जल्द पूरी करने बारे तथा 43 अन्य विद्यालयों में लोकनिर्माण विभाग द्वारा जर्जर घोषित किए गए कमरों अथवा अन्य भवनों को ढहाए जाने संबधित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय से अनुमति लेकर जल्द-से-जल्द ढहाए जाने की प्रक्रिया पूरी करने बारे सांसद ने पत्र के माध्यम से जिला उपायुक्त को दिए निर्देश। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ये कार्य जिससे किसी भी प्रकार की जान माल की हानि न हो। शिक्षा विभाग के ब्लॉक अनुसार विभिन्न कार्यों के लिए बजट मांगा गया।

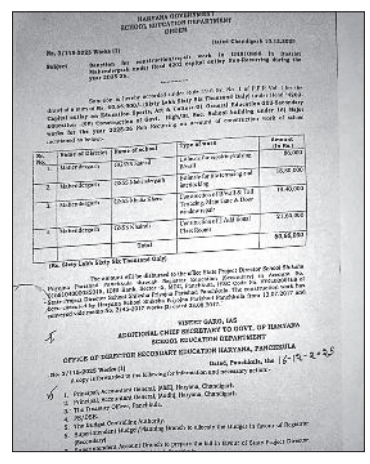

महेंद्रगढ़। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव को भेजा गया पत्र। फोटो : हरिभूमि

बाउंड्रीवाल की मरम्मत अथवा पूरा करने के लिए

नारनौल- 36 विद्यालय -2.5 करोड़
महेंद्रगढ़- 25 विद्यालय - 1.5 करोड़
कनीना- 15 विद्यालय- 68.5 लाख
नांगल चौधरी- 19 विद्यालय- 1.72 करोड़
कुल 124 विद्यालयों के लिए 7.09 करोड़

विद्यालयों में नई बाउंड्रीवाल के निर्माण के लिए

नारनौल- पांच विद्यालय - 51.74 लाख
महेंद्रगढ़- 12 विद्यालय- 1.73 करोड़
कनीना- सात विद्यालय- 67.97 लाख
नांगल चौधरी - नौ विद्यालय- 1.05 करोड़
अटेली- 14 विद्यालय - 1.45 करोड़
कुल 47 विद्यालय- 5.44 करोड़

कमरों की मरम्मत अथवा मरम्मत के विभिन्न कार्य

नारनौल- पांच विद्यालय- 62.67 लाख
महेंद्रगढ़- 13 विद्यालय- 78.18 लाख
कनीना- 13 विद्यालय- 1.39 करोड़
नांगल चौधरी- नौ विद्यालय- 35.5 लाख
अटेली- तीन विद्यालय- 31.94 लाख
कुल 43 विद्यालय- 3.48 करोड़

होली से समझें निवेश के चटख रंग

लाल पीला, हरा या नीला

किस 'रंग' के एसेट में कितना पैसा लगाने से भविष्य होगा मजबूत

•

गोल्ड, इक्विटी, डेब्ट और हाई-रिस्क निवेश में उम्र के हिसाब से पैसा लगाएं

होली का आनंद तभी है जब हर रंग का संतुलित मिश्रण हो। ठीक वैसे ही निवेश में भी संतुलन जरूरी है। यदि आप इन चारों रंगों का सही तालमेल बिठा लेते हैं, तो आपका भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बन सकता है। इस होली केवल गुलाल न उड़ाएं, बल्कि अपने वित्तीय जीवन को भी नए रंग दें। अनुशासन, धैर्य और संतुलन यही है सफल निवेश का मंत्र। जब आपका पोर्टफोलियो संतुलित होगा, तभी आपका भविष्य सच में रंगीन व खुशहाल होगा।

निवेश मंत्रा

सेंट्रल डेस्क

होली का त्योहार रंगों, उमंग और नई शुरुआत का प्रतीक है। जैसे होली के हर रंग का अपना महत्व होता है, वैसे ही निवेश की दुनिया में भी हर एसेट क्लास की अलग भूमिका होती है। अक्सर लोग निवेश को लेकर दो बड़ी गलतियां करते हैं या तो सारा पैसा सुरक्षित समझकर एफडी और बचत खाते में डाल देते हैं, या फिर तेजी के लालच में पूरा धन शेयर बाजार में लगा देते हैं। दोनों ही स्थितियां लंबे समय में संतुलित नहीं मानी जातीं। असल में मजबूत वित्तीय भविष्य का राज डायवर्सिफिकेशन यानी संतुलित निवेश में छिपा है। यदि आपके पोर्टफोलियो में पीला (गोल्ड), हरा (इक्विटी), नीला (डेब्ट) और थोड़ा सा लाल (हाई-रिस्क) रंग सही अनुपात में हो, तो आपका आर्थिक जीवन भी होली की तरह रंगीन और संतुलित बन सकता है।

पीला रंग
गोल्ड, सुरक्षा व स्थायित्व

भारत में सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। निवेश की दृष्टि से गोल्ड को सेफ हेवन कहा जाता है। जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है या वैश्विक तनाव होता है, तब सोना अक्सर स्थिरता प्रदान करता है। गोल्ड का मुख्य उद्देश्य तेज रिटर्न देना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो को संतुलित रखना है। यह महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुल निवेश का लगभग 10% से 15% हिस्सा गोल्ड में होना चाहिए। इससे ज्यादा निवेश करने से ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। आज के समय में फिजिकल गोल्ड की बजाय सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इससे शुद्धता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहती है।

हरा रंग
इक्विटी ग्रोथ का असली इंजन

हरा रंग खुशहाली और तरक्की का प्रतीक है। निवेश में यह इक्विटी यानी शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड को दर्शाता है। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की उच्च शिक्षा या वित्तीय स्वतंत्रता—तो इक्विटी से बेहतर विकल्प मुश्किल है। इतिहास बताता है कि लंबी अवधि (15–20 वर्ष) में इक्विटी ने अन्य एसेट क्लास की तुलना में बेहतर रिटर्न दिए हैं। हालांकि इसमें उतार-चढ़ाव रहता है, लेकिन समय के साथ यह अस्थिरता संतुलित हो जाती है। एक सरल फॉर्मूला यह है कि 100 में से अपनी उम्र घटाइए जो संख्या आए, उतना प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 30 वर्ष है, तो लगभग 70% तक इक्विटी में निवेश संभव है (जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार)। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर खरीदने की बजाय एसआईपी के माध्यम से डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर रहता है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम होता है और नियमित निवेश की आदत बनती है।

नीला रंग : डेब्ट/एफडी :
स्थिरता और भरोसा

नीला रंग शांति और संतुलन का प्रतीक है। निवेश में यह डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), डेब्ट म्यूचुअल फंड और बॉन्ड को दर्शाता है। डेब्ट का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न देना है। यह उन लक्ष्यों के लिए जरूरी है जो निकट भविष्य में पूरे करने हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर की डाउन पेमेंट या इमरजेंसी फंड। हर व्यक्ति को कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड डेब्ट में रखना चाहिए। इससे अचानक नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आर्थिक संकट की स्थिति में मदद मिलती है। डेब्ट का हिस्सा उम्र के साथ बढ़ाना समझदारी है। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। हालांकि एफडी सुरक्षित विकल्प है, लेकिन डेब्ट म्यूचुअल फंड या उच्च रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड भी बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले जोखिम और टैक्स प्रभाव को समझना जरूरी है।

लाल रंग : हाई रिस्क, अवसर और सावधानी

लाल रंग ऊर्जा और जोश का प्रतीक है, लेकिन निवेश में यह सावधानी का संकेत भी देता है। इसमें क्रिप्टोकरेंसी, पेनी स्टॉक्स, स्मॉल कैप के अत्यधिक अस्थिर शेयर या ट्रेंड आधारित निवेश शामिल हो सकते हैं। इनमें कम समय में बड़ा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, लेकिन नुकसान का खतरा भी उतना ही अधिक रहता है। इसलिए इसमें कुल निवेश का 2% से 5% से अधिक हिस्सा नहीं होना चाहिए। लाल रंग को मुख्य निवेश की तरह नहीं, बल्कि प्रयोगात्मक हिस्से की तरह देखें। यदि नुकसान हो भी जाए, तो आपकी कुल वित्तीय स्थिति पर बड़ा असर न पड़े।

उम्र के अनुसार निवेश का संतुलन

उम्र के साथ वित्तीय प्राथमिकताएं बदलती हैं। इसलिए पोर्टफोलियो का संतुलन भी समय-समय पर बदलना चाहिए।

20–30 वर्ष : इस उम्र में जिम्मेदारियां कम और जोखिम लेने की क्षमता अधिक होती है। लगभग 70% इक्विटी, 20% डेब्ट और 10% गोल्ड उपयुक्त हो सकता है।

30–45 वर्ष : परिवार और जिम्मेदारियां बढ़ती हैं। इक्विटी 50–60%, डेब्ट 25–35% और गोल्ड 10–15% तक संतुलित रखा जा सकता है।

45–55 वर्ष : रिटायरमेंट की योजना बनानी शुरू कर दें। इक्विटी कम कर 30–40% रखें और डेब्ट 50% तक बढ़ाएं।

60 वर्ष के बाद : पूंजी की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। 60–70% डेब्ट, 10–20% गोल्ड और सीमित इक्विटी पर्याप्त है।

इस होली करें पोर्टफोलियो की सफाई

- जैसे हम होली से पहले घर की सफाई करते हैं, वैसे ही निवेश की समीक्षा भी जरूरी है।
- उन निवेशों को हटाएं जो वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।
- यदि बाजार तेजी से बढ़ा है और इक्विटी का हिस्सा बहुत ज्यादा हो गया है, तो मुनाफा निकालकर डेब्ट या गोल्ड में ट्रांसफर करें।
- हर साल कम से कम एक बार री-बैलेंसिंग करें।
- छोटी राशि से भी नई एसआईपी शुरू करें। नियमित निवेश लंबी अवधि में बड़ा अंतर लाता है।
- बीमा और इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें।

ऐसे समझें महत्व

- पीला रंग देता है सुरक्षा।
- हरा रंग देता है ग्रोथ।
- नीला रंग देता है स्थिरता।
- लाल रंग देता है अवसर।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट के लिए क्यों बढ़ रहा पैसिव फंड्स का क्रेज?

बचत

सेंट्रल डेस्क

क्या आप भी आईटी या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन स्टॉक चुनने में उलझे हैं? तो आप अकेले नहीं हैं। बदलते निवेश ट्रेंड्स के बीच, अब निवेशकों के लिए एक स्मार्ट और आसान तरीका सामने आया है: पैसिव म्यूचुअल फंड्स। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के अनुसार, पैसिव फंड्स अब सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान बना रहे हैं, और इसने निवेशकों के बीच इसका क्रेज तेजी से बढ़ाया है। इस लेख में हम जानेंगे कि पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे क्या कारण हैं और कैसे यह निवेशकों को सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में एक बेहतरीन विकल्प दे रहे हैं।

पैसिव फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता

आज के निवेश माहौल में, जहां अनिश्चितताएं और बाजार के उतार-चढ़ाव सामान्य हो गए हैं, निवेशक अपनी निवेश रणनीतियों को सरल, सस्ते और सुरक्षित बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पैसिव फंड्स का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये कम लागत, अच्छी पारदर्शिता, और कम जोखिम के साथ निवेश के एक बेहतरीन तरीके के रूप में उभर रहे हैं। पैसिव म्यूचुअल फंड्स अब निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बन चुके हैं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को भी आसान और सुरक्षित बना रहे हैं। पहले जहां किसी विशेष सेक्टर में निवेश करने के लिए काफी रिसर्च और स्टॉक चयन की आवश्यकता होती थी, वहीं पैसिव फंड्स ने इसे सरल बना दिया है। इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ के माध्यम से, निवेशक अब आसानी से किसी भी सेक्टर की ग्रोथ का फायदा उठा सकते हैं, चाहे वह आईटी, फार्मा, बैंकिंग, या कोई और सेक्टर हो।

सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट क्यों है आसान?

पैसिव फंड्स का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीधे किसी इंडेक्स को फॉलो करता है, जैसे कि निफ्टी आईटी, निफ्टी बैंक, या निफ्टी फार्मा। इन फंड्स का मैनेजर केवल उस इंडेक्स में मौजूद स्टॉक्स में निवेश करता है, जैसा कि इंडेक्स में निर्धारित होता है। इससे निवेशक को स्टॉक्स के चयन में होने वाली गलती से बचने का फायदा मिलता है। माना कि आप मानते हैं कि आईटी सेक्टर आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेगा। अब, अगर आप इस सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, तो पहले आपको उसके कुछ प्रमुख स्टॉक्स का चुनाव करना पड़ता था। लेकिन अब पैसिव फंड्स के जरिए आप बिना किसी जोखिम के पूरे आईटी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप उस सेक्टर के सारे स्टॉक्स में निवेश कर रहे होते हैं, न कि केवल कुछ चुने हुए स्टॉक्स में। इससे, किसी एक स्टॉक के गलत चुनाव से होने वाले नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है, आप पूरी इंडस्ट्री की ग्रोथ में शामिल होते हैं।

कम लागत और पारदर्शिता का फायदा

अन्य कारण जो पैसिव फंड्स को निवेशकों के बीच अधिक लोकप्रिय बना रहा है, वह है इनकी कम लागत व पारदर्शिता। पैसिव फंड्स का एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम होता है, जो निवेशक के लॉन्ग-टर्म रिटर्न पर सकारात्मक असर डालता है। पैसिव फंड्स में निवेशक को स्पष्ट रूप से पता होता है कि उनका पैसा किस-किस स्टॉक में निवेशित है, क्योंकि ये फंड्स किसी विशेष इंडेक्स का अनुसरण करते हैं। उदाहरण के लिए, निफ्टी आईटी इंडेक्स में जो 10-15 स्टॉक्स शामिल हैं, वे सभी पैसिव फंड में भी मौजूद होते हैं। इस पारदर्शिता की वजह से निवेशकों को ये फंड्स अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित लगते हैं। यही कारण है कि ये छोटे और नए निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

सेक्टोरल कॉल्स लेने में रिस्क मैनेजमेंट

हालांकि, सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट में जोखिम हमेशा रहता है। किसी एक सेक्टर पर अधिक निर्भरता कभी भी नुकसानदायक हो सकती है, अगर वह सेक्टर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करे। लेकिन पैसिव फंड्स के जरिए इस रिस्क को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का मानना है कि पैसिव फंड्स के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। सेक्टोरल फंड्स, जैसे कि आईटी, बैंकिंग, या फार्मा, इन क्षेत्रों में उछाल आने पर अच्छा रिटर्न देते हैं। इन फंड्स में निवेश करने से निवेशक उस पूरे सेक्टर के लाभ का पूरा फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, इन फंड्स में लिक्विडिटी भी अच्छी होती है, यानी निवेशक अपनी स्थिति के हिसाब से आसानी से अपने निवेश को भुना सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर बैंकिंग सेक्टर में तेजी आती है और आपको लगता है कि यह काफी समय तक बढ़ेगा, तो आप बैंकिंग पैसिव फंड्स में निवेश कर सकते हैं। यदि किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो आप अपने निवेश को बदल सकते हैं और दूसरी सेक्टरल फंड में ले सकते हैं।

पैसिव फंड्स का भविष्य

आज के निवेशकों के लिए, जिनके पास समय की कमी है और जो रिसर्च या स्टॉक चयन में उलझना नहीं चाहते, पैसिव फंड्स एक बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। इन फंड्स में निवेश करने के द्वारा, निवेशक सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट का फायदा उठाते हुए कम लागत में अधिक पारदर्शिता और सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं। यही कारण है कि ये फंड्स अब निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। वहीं, जैसे-जैसे बाजार और निवेश की दुनिया में बदलाव हो रहा है, पैसिव फंड्स का महत्व और बढ़ने की संभावना है। यह उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो आर्थिक बदलावों का फायदा उठाना चाहते हैं, लेकिन जोखिम से बचना भी चाहते हैं।

इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान

पैसिव फंड्स ने निवेशकों के लिए सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट को बेहद आसान और सुरक्षित बना दिया है। पहले जहां निवेशक को सेक्टोरल स्टॉक्स के चयन में काफी रिसर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब पैसिव फंड्स ने इस काम को आसान बना दिया है। इसके जरिए निवेशक किसी भी खास सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। कम लागत, पारदर्शिता व बेहतर रिस्क मैनेजमेंट की वजह से पैसिव फंड्स अब निवेशकों की पहली पसंद बन रहे हैं। चाहे आप आईटी सेक्टर में निवेश करना चाहते हों या बैंकिंग सेक्टर की तेजी का फायदा उठाना चाहते हों, पैसिव फंड्स आपको इसे सरल और प्रभावी तरीके से करने का मौका दे रहे हैं।

जानकारी

सेंट्रल डेस्क

मल्टी-एसेट फंड्स का क्रेज, गोल्ड और सिल्वर ने चमकाई निवेशकों की किस्मत

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निवेशकों का रुख तेजी से मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स (एमएएफएस) की ओर बढ़ा है। अस्थिर बाजार में जहां पारंपरिक इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न दबाव में रहे, वहीं इन फंड्स ने विविध एसेट क्लास में निवेश की रणनीति से निवेशकों को बेहतर संतुलित रिटर्न दिया। ताजा उद्योग आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पिछले एक साल में 72% बढ़कर करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह उछाल बताता है कि निवेशक अब केवल शेयर बाजार पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

गोल्ड और सिल्वर की रिकॉर्ड तेजी का असर

पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, मल्टी-एसेट फंड्स ने औसतन 23% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 50 ने इसी अवधि में लगभग 14.27% का रिटर्न दिया। इस बेहतर प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारण रहा कीमती धातुओं की चमक। चांदी की कीमतों में लगभग 171% और सोने में करीब 81% तक की तेजी दर्ज की गई। चूंकि मल्टी-एसेट फंड्स अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ या संबंधित इंस्ट्रूमेंट्स शामिल करते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में उछाल का सीधा फायदा निवेशकों को मिला।

क्या हैं मल्टी-एसेट फंड्स?

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड होते हैं जो कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इनमें इक्विटी (शेयर), फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड/डेट इंस्ट्रूमेंट) और कमोडिटी (मुख्यतः सोना और चांदी) शामिल हैं। इन फंड्स की सबसे बड़ी खासियत है ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग। यानी अगर शेयर बाजार बहुत तेजी से ऊपर जाता है और पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर मुनाफावसूली कर उस राशि को गोल्ड या डेट में शिफ्ट कर देता है। इसी तरह, यदि बाजार गिरता है तो कम कीमत पर इक्विटी बढ़ाई जाती है। इससे जोखिम संतुलित रहता है और निवेशक को बार-बार खुद निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ती।

अस्थिर बाजार में स्थिरता का सहारा

बाजार की अनिश्चितता के दौर में डायवर्सिफिकेशन (विविधीकरण) सबसे कारगर रणनीति मानी जाती है। मल्टी-एसेट फंड्स इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। जब इक्विटी कमजोर होती है, तब डेट या गोल्ड सहारा देते हैं। वहीं तेजी के दौर में इक्विटी रिटर्न को आगे बढ़ाती है। वेल्थ मैनेजर्स का कहना है कि जिन निवेशकों के पास बाजार को लगातार ट्रैक करने का समय या अनुभव नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बेहद उपयुक्त है। खासकर नए निवेशकों या मध्यम जोखिम लेने वालों के लिए ये फंड संतुलित रणनीति पेश करते हैं।

टैक्स का फायदा भी बड़ा कारण

मल्टी-एसेट फंड्स की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण टैक्स एफिशिएंसी भी है। यदि कोई निवेशक खुद शेयर बेचकर सोना खरीदता है या एसेट क्लास बदलता है, तो हर लेनदेन पर उसे कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। लेकिन फंड के भीतर फंड मैनेजर द्वारा की गई खरीद-फरोख्त पर निवेशक को अलग से टैक्स नहीं देना होता। यदि किसी मल्टी-एसेट फंड में इक्विटी का हिस्सा 65% या उससे अधिक है, तो वह टैक्स के लिहाज से इक्विटी फंड की श्रेणी में आता है। ऐसे में निवेशक को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स का लाभ मिलता है, जो अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक फायदेमंद हो सकता है। यही वजह है कि टैक्स प्लानिंग के नजरिए से भी ये स्कीम आकर्षक बन रही हैं।

किसके लिए हैं उपयुक्त?

- वे निवेशक जो मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहते हैं
- वे लोग जिनके पास पोर्टफोलियो मैनेज करने का समय नहीं है
- रिटायरमेंट या दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए संतुलित निवेश चाहने वाले
- अस्थिर बाजार में पूंजी संरक्षण के साथ ग्रोथ चाहने वाले
- हर निवेशक की जरूरत और जोखिम क्षमता अलग होती है। इसलिए फंड चुनते समय यह देखना जरूरी है कि उसमें इक्विटी, डेट और कमोडिटी का अनुपात क्या है। कुछ फंड आक्रामक होते हैं जिनमें इक्विटी का हिस्सा ज्यादा होता है, जबकि कुछ अपेक्षाकृत रक्षात्मक रणनीति अपनाते हैं।

क्या आगे भी बनी रहेगी चमक?

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के माहौल में गोल्ड और सिल्वर जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग बनी रह सकती है। हालांकि, पिछले साल जैसी असाधारण तेजी हर साल मिले, यह जरूरी नहीं। इसलिए निवेशकों को केवल पिछले रिटर्न देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य और समयावधि के अनुसार रणनीति बनानी चाहिए।

रिटायरमेंट के समय निवेश की बदल जाती हैं प्राथमिकताएं, महंगाई भी बड़ी चुनौती

सीनियर सिटीजंस के लिए म्यूचुअल फंड सबसे सुरक्षित व फायदेमंद

रिटायरमेंट के बाद नहीं होगी कोई परेशानी, आराम से कटेगा बुढ़ापा

पूंजी को सुरक्षित रखते हुए बनाना होता है नियमित कैश फ्लो

तैयारी

सेंट्रल डेस्क

रिटायरमेंट के बाद जिंदगी का सबसे अहम सवाल होता है क्या नियमित आय बनी रहेगी और क्या जमा पूंजी सुरक्षित रहेगी? नौकरी के दौरान हर महीने सैलरी आती है, लेकिन रिटायरमेंट के बाद वही आय पेंशन, ब्याज या निवेश पर निर्भर हो जाती है। ऐसे में सिर्फ पैसा बचाकर रखना काफी नहीं होता, बल्कि उसे समझदारी से निवेश करना जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीनियर सिटीजंस के लिए ऐसे म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न और नियमित आय की सुविधा दें। रिटायरमेंट के समय निवेश की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। अब लक्ष्य तेजी से पैसा बढ़ाना नहीं, बल्कि पूंजी को सुरक्षित रखते हुए नियमित कैश फ्लो बनाना होता है। साथ ही महंगाई भी एक बड़ी चुनौती है। अगर पैसा सिर्फ सेविंग अकाउंट या पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में रखा जाए, तो महंगाई की वजह से उसकी वास्तविक क्रय शक्ति घट सकती है। इसलिए ऐसी रणनीति जरूरी है जो जोखिम को सीमित रखते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सके। वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, सीनियर सिटीजंस के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, इक्विटी सेविंग्स फंड्स और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स जैसे विकल्प संतुलित निवेश का रास्ता दिखाते हैं। इन फंड्स के साथ सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) जोड़ दिया जाए तो हर महीने नियमित आय भी सुनिश्चित की जा सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स: मार्केट के हिसाब से एसेट एलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स या डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट में निवेश का अनुपात बदलते रहते हैं। जब बाजार महंगा या जोखिमपूर्ण दिखता है, तो फंड मैनेजर इक्विटी एक्सपोजर घटाकर डेट में निवेश बढ़ा देते हैं। वहीं बाजार में गिरावट के समय इक्विटी हिस्सा बढ़ाया जाता है। इस रणनीति का फायदा यह है कि निवेशक को बाजार के समय का अनुमान लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। फंड मैनेजर खुद जोखिम को मैनेज करता है। रिटायरमेंट के बाद ऐसे फंड्स निवेशकों को अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं।

किन बातों का रखें ध्यान?

हालांकि ये फंड्स अपेक्षाकृत कम जोखिम वाले माने जाते हैं, फिर भी निवेश से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है

जोखिम प्रोफाइल समझें: हर व्यक्ति की जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है।

एसेट एलोकेशन तय करें

- **आपातकालीन फंड रखें :** कम से कम 6 से 12 महीने का खर्च लिक्विड फंड या सेविंग अकाउंट में रखें।
- **टैक्स प्लानिंग करें :** निकासी और कैपिटल गेन पर लगने वाले टैक्स को समझें।
- **वित्तीय सलाह लें :** किसी प्रमाणित वित्तीय सलाहकार से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स : सुरक्षा के साथ सीमित ग्रोथ

रिटायर्ड निवेशकों के लिए कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स एक लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं। इन फंड्स में आमतौर पर 75 से 90 प्रतिशत हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश किया जाता है। बाकी 10 से 25 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी में लगाया जाता है। डेट हिस्से की वजह से पोर्टफोलियो में स्थिरता बनी रहती है, जबकि सीमित इक्विटी एक्सपोजर महंगाई से मुकाबला करने में मदद करता है। यही वजह है कि जोखिम लेने से बचने वाले सीनियर सिटीजंस के लिए ये फंड्स एफडी की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उतार-चढ़ाव भी नियंत्रित रहता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये भी बाजार आधारित उत्पाद हैं। इनमें रिटर्न की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में संतुलित प्रदर्शन देखने को मिला है।

इक्विटी सेविंग्स फंड्स : संतुलन और टैक्स एफिशिएंसी

इक्विटी सेविंग्स फंड्स उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयुक्त माने जाते हैं, जो 3 से 5 साल की मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि ये इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज रणनीति के बीच संतुलन बनाते हैं। आर्बिट्राज का मतलब है बाजार के अलग-अलग सेगमेंट में कीमतों के अंतर का फायदा उठाना। इससे फंड को अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ रिटर्न कमाने का मौका मिलता है। चूंकि ये फंड्स इक्विटी कैटेगरी में आते हैं, इसलिए टैक्सेशन के लिहाज से भी निवेशकों को फायदा मिल सकता है। प्योर इक्विटी फंड्स की तुलना में इनका उतार-चढ़ाव कम होता है। यही कारण है कि जो सीनियर सिटीजंस पूरी तरह इक्विटी में निवेश नहीं करना चाहते, लेकिन एफडी से थोड़ा ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए यह एक संतुलित विकल्प हो सकता है।

एसडब्ल्यूपी : पेंशन जैसा नियमित कैश फ्लो

सिर्फ निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे नियमित आय निकालने की व्यवस्था भी जरूरी है। यहां सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। एसडब्ल्यूपी के तहत निवेशक एकमुश्त राशि किसी हाइब्रिड या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में लगाते हैं और फिर हर महीने एक निश्चित रकम निकालते रहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी वरिष्ठ नागरिक ने 20 लाख रुपये निवेश किए हैं और वे हर महीने 15,000 रुपये निकालना चाहते हैं, तो एसडब्ल्यूपी के जरिए यह संभव है। शेष राशि बाजार में निवेशित रहती है और संभावित रूप से बढ़ती भी रहती है। इस तरह निवेशक को पेंशन जैसी नियमित आय मिलती है और पूंजी भी धीरे-धीरे खत्म होने के बजाय काम करती रहती है। एसडब्ल्यूपी का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह वित्तीय अनुशासन बनाए रखता है। निवेशक जरूरत से ज्यादा रकम नहीं निकालते और लंबी अवधि तक फंड बना रहता है।

खबर संक्षेप

नारनौल। हवन करते स्वयंसेवक।

यदुवंशी कॉलेज में किया हवन

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा के प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय शिविर में हवन यज्ञ का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर रविन्द्र कुमार ने हवन के वैज्ञानिक व आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हवन से वातावरण शुद्ध होता है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के चेयरमेन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बताया कि हवन हमें त्याग, समर्पण व सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इस मौके पर संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. सोनल यादव, कोच विजय सिंह यादव आदि मौजूद थे।

छात्रा मनीषा ने की नेट परीक्षा उत्तीर्ण

कनीना। एनटीए की ओर से हाल ही में जारी किए गए परीक्षा परिणाम में सुंदरह गांव की छात्रा मनीषा ने सफलता प्राप्त की है। मा. बलीसिंह ने बताया कि मनीषा ने जंतु विज्ञान विषय में नेट जेआरएफ की परीक्षा दी थी। जिसमें उन्होंने एआईआर 103 से सफलता प्राप्त की है। उनके परिजन समर सिंह व शर्मिला गांव के सरपंच रह चुके हैं। मनीषा ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य प्रतिष्ठित संस्थान से पीएचडी करने का है।

बाबा मुकुंददास गोशाला में वार्षिकोत्सव का आयोजन

आर्गेनिक खेतीबाड़ी को बढ़ावा देकर बीमारियों पर अंकुश लगाने में योगदान दें किसानः सांसद

बाबा मुकुंददास गोशाला के वार्षिकोत्सव में सांसद धर्मबीर सिंह, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह ने गोसेवा का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। गोशाला के वार्षिकोत्सव में आर्गेनिक खेतीबाड़ी के लिए प्रेरित करते सांसद चौ. धर्मबीर सिंह व समारोह में उपस्थित भीड़। फोटो: हरिभूमि

बाबा मुकुंददास गोशाला में आयोजित वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता बैजनाथ चौधरी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन गोविंद चौधरी ने की है। जिसमें भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौ. धर्मबीर सिंह, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने उपस्थित दर्ज कराई। उन्होंने ग्रामीणों को गोशालाओं से लगाव बढ़ाने का संदेश दिया। जिससे आर्गेनिक खेतीबाड़ी को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान लोकगायक कलाकार नरदेव बेनीवाल ने भजनोपदेशों से गायों की महत्वता से अवगत कराया। कार्यक्रम में महंत शीतलदास व अन्य मंदिरों से संत मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि परिवर्तन समय की जरूरत होती है। वर्तमान परिस्थितियों में इनकम और उत्पादन से अधिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ गई हैं, क्योंकि रसायनिक खाद के प्रभाव से जमीन के पौषक तत्व असंतुलित हो गए और अनाज की गुणवत्ता में कमजोर होने लगी है। समाधान के लिए आर्गेनिक खेतीबाड़ी का बढ़ावा देना ह एकमात्र विकल्प है, जिसके लिए पशुधन पालन करना जरूरी है। सांसद ने कहा कि बीते दिनों केंद्रीय कृषि सुधार बैठक में किसानों तक आर्गेनिक खाद पहुंचाने पर विचार विमर्श किया गया था।

बैठक में रसायनिक खाद का इस्तेमाल नहीं करने वाले किसानों को 10-10 हजार अनुदान राशि वितरित करने का सुझाव दिया था। जिस पर प्रदेश सरकार ने अमल करते हुए जिला वाइज एक हजार एकड़ रकबे पर आर्गेनिक खेती का टारगेट निर्धारित किया है। इसके लिए विभाग ने पोर्टल ओपन कर दिया जिस पर इच्छुक किसान पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकृत किसानों को नकद आर्थिक सहायता मिलने के साथ विभागीय सहयोग मिलने का प्रावधान है। पशुओं का गोबर व कूड़ा एकत्र करने के लिए सांसद निधि से सभी पंचायतों को ट्रैक्टर ट्राली वितरित की जाएंगी। इसके साथ बाबा मुकुंददास गोशाला को भी ट्रैक्टर ट्राली उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि गायों के लिए चारा एकत्रित करने तथा कूड़ा उठान करने में मदद मिल सके।

इससे पहले पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने गोशाला को कृषि मंत्री श्यामसिंह राणा की तरफ से आर्थिक सहायता मुहैया कराई। उन्होंने कहा कि गायों की सेवा से भारतीय संस्कृति का संरक्षण हो पाएगा। इस मौके पर गोशाला आयोग के चेयरमैन, सुभाषचंद वैद्य, भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, रमेश तंवर, पूर्णचंद गोठड़ी, प्रमोद वत्स, अंजनी शास्त्री, जाट सभा के प्रधान जोगेंद्र सिंह छिल्लर, पूर्व प्रधान कुलदीप जेलदार, लक्ष्मण जागीरदार, भवानी शंकर जोशी आदि मौजूद रहे।

नारनौल। विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने पाई सफलता

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के विद्यार्थियों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है। यह परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों की सैनिक स्कूल व नवोदय स्कूलों के पाठ्यक्रम की अतिरिक्त कक्षाएं लगाने के फलस्वरूप हासिल हुआ है। विद्यालय के कक्षा पांच के विद्यार्थी मानवी पुत्री सुशील बसीरपुर, रितिका पुत्री मनीष गांवड़ी जाट, धवन पुत्र नरेश सिंह ढाणा मथुरादास, यश शेखावत पुत्र सुभाष सिंह बसई, आयुष पुत्र जयसिंह बेसरड़ा, वंश पुत्र देवेन्द्र घाटासेर, रोनक पुत्र राजेश नारेड़ी, हेमंत पुत्र दयाराम जमालपुर, प्रवेश पुत्र निरंजन सिंह किशनपुरा, पार्थ पुत्र गणेश राम सैनी डाबला, मोक्ष पुत्र शुभराम पवेरा, गौरव पुत्र फूलसिंह त्यौंदा, आयुष स्वामी पुत्र मनीष कुमार कंवर का नांगल, दक्ष पुत्र जितेन्द्र निजामपुर, निक्कू पुत्री गोविंद पवेरा, रिया पुत्री नरेश कुमार नापला, सेजल पुत्री धर्मवीर निजामपुर, आनवी चौधरी पुत्री हरदीप छिलरो, छवि मीना पुत्री मनीराम सिहोड़, डिम्पल पुत्री विजय कुमार किशनपुरा, लक्षी पुत्री जितेन्द्र सिंह निजामपुर, हंसिका पुत्री संजीव कुमार यादव डाबला ने सैनिक स्कल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस प्रकार विद्यालय के 22 छात्रों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित की है। विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने बच्चों का सम्मान किया। इस मौके पर संस्था वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य विनोद यादव, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी आदि मौजूद थे।

ईमानदार छवि को बदनाम करने की कोशिश नाकामः डॉ. मनीष

महेंद्रगढ़। आम आदमी पार्टी के प्रदेश युवा उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव ने दिल्ली के कथित शराब मामले में एवेन्यू कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सत्य और ईमानदारी की ऐतिहासिक जीत है। अदालत में स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में कोई आपराधिक साजिश या ठोस सबूत नहीं है, जिससे भाजपा द्वारा गढ़ी गई झूठी कहानी का पर्दाफाश हो गया है। डॉ. यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया व संजय सिंह सहित अन्य नेताओं को राजनीति साजिश के तहत जेल भेजा गया, लेकिन अदालत के फैसले ने साबित कर दिया है कि आम आदमी पार्टी की कट्टर ईमानदारी छवि को बदनाम करने की कोशिश नाकाम रही। सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसी का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए किया गया। निर्दोष नेताओं को एक साल तक जेल में रखा गया।

नवज्ञान मांदी के 11 बच्चे सैनिक स्कूल परीक्षा में उत्तीर्ण

नारनौल। नवज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल मांदी के 11 बच्चों ने अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण किया है, जिनमें रक्षित पुत्र मनोज (262/300) मांदी, आयोग पुत्र योगेश (नांगल शालू), विराट पुत्र फुसाराम (ताजीपुर), वंश पुत्र वीरसिंह (ताजीपुर), दीक्षित पुत्री मनोज कुमार (खातोली), मुस्कान पुत्र सुनील (मांदी), अक्षित पुत्र संदीप (मांदी), प्रिंस पुत्र अभय सिंह (मुकंदपुरा), दीपांशु पुत्र ओमप्रकाश (टहला), सिया पुत्री रत्नसिंह (खातौली) तथा देविका पुत्री ललित ने यह टेस्ट पास किया है। इन बच्चों ने स्कूल के साथ-साथ अपने माता पिता व गांव का नाम भी रोशन किया है। स्कूल के चेयरमैन सोमवीर ने सभी अध्यापकगणों की ओर से बच्चों को शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चेयरमैन ने कहा कि यह सभी अध्यापकगण और बच्चों की मेहनत का परिणाम है। विद्यालय भविष्य में भी बच्चों को लगातार मेहनत करवाकर इससे भी अच्छा परिणाम देने को प्रयासरत रहेगा।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते हुए। फोटो: हरिभूमि

देवयानी का मयंक 255 अंक के साथ टॉप

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के मयंक ने 255 अंक लेकर सैनिक स्कूल का एग्जाम टॉप कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। 27 फरवरी को देर रात एनटीए ने सैनिक स्कूल का एग्जाम का रिजल्ट घोषित किया गया, जिसमें दिव्या कुमारी ने 220 अंक, सानवी यादव ने 200, वंशिका कुमारी, ईशांत यादव, अक्षया, आनिया यादव, जानवी, भूमि चौधरी, नेहा यादव, कार्तिक, नवनीत यादव, दीपांशु चौधरी, उचिता यादव, साधना, निशांत सिंह मेहरा, शिवांश, हर्षित यादव, सुहानी, तनीशा, युग कुमार यादव, भावेश कुमार, जयेश यादव सभी बच्चों ने अच्छा स्कोर करते हुए इंडिया के टॉप स्कूल में एडमिशन के लिए रास्ता साफ किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने अपने भाषण में उन सभी अध्यापक साथियों का धन्यवाद किया।

सूरज कॉलेज की छात्रा मुस्कान ने विवि में पांचवां स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीसीए के पांचवें सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसने सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। बीसीए पांचवें सेमेस्टर की छात्रा मुस्कान पुत्री अजीत सिंह ग्राम लोहाना ने 77.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में पांचवी एवं कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा रिया पुत्री हेमंत कुमार ने 73.20 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान एंव गगन पुत्री अनूप कुमार ग्राम भुरजट ने 72.60 प्रतिशत लेकर साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र प्रवीण पुत्र देवेन्द्र कुमार ने 71.80 प्रतिशत, एकता पुत्री सुजान सिंह ने 71.60 प्रतिशत, शिवा पुत्र पवन कुमार ने 70.20 प्रतिशत, हिमानी तायल पुत्री कपिल कुमार ने 69.20 प्रतिशत, मनदीप पुत्र जयभगवान ने 68.60 प्रतिशत,

मुस्कान रिया गगन

मनीषा पुत्री संजय कुमार ने 68.40 प्रतिशत, रजनी कुमारी पुत्री राजपाल एवं वंशिका पुत्री सुरेश कुमार ने 67.60 प्रतिशत, मयंक पुत्र वीरेन्द्र सैनी ने 67.00 प्रतिशत, यशवीन पुत्र उदयभान ने 65.60 प्रतिशत, अभिषेक शर्मा पुत्र शेरसिंह ने 65.40 प्रतिशत, पारूल पुत्र सत्यवीर सिंह ने 64.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर इस मेधावी सूची में अपना नाम दर्ज करवाया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

आकाश एकेडमी के छात्रों ने सैनिक स्कूल में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

आकाश एकेडमी के छात्रों ने इस वर्ष सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आकाश एकेडमी के 35 में से 24 बच्चों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में क्वालीफाई किया है। कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर कई विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने सपनों की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया है। संस्थान निदेशक देवेंद्र बैरावास ने बताया कि यह सफलता छात्रों की निरंतर मेहनत और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। एकेडमी में नियमित टेस्ट सीरीज, विशेष डाउट क्लास और व्यक्तित्व विकास सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को संपूर्ण तैयारी करवाई जाती है। विकास रामलवास ने बताया कि सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों में खुशी की लहर है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग को दिया। मास्टर खुशीराम ने बताया कि सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। सैनिक स्कूल सोसाइटी के अंतर्गत संचालित सैनिक स्कूल विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत शिक्षा प्रदान करते हैं। देवेंद्र बैरावास ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी।

कनीना। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आरआसीएम के 27 विद्यार्थियों ने पाई सफलता

कनीना। आरआरसीएम स्कूल में सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसीद्वारा आयोजित इस परीक्षा में विद्यालय के 27 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर संस्था व क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस परीक्षा में छात्रा परिधि पुत्री राजवीर यादव गांव कनीना ने 262 व छात्र युवांश पुत्र आशीष ने 222 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया तथा 10 विद्यार्थियों ने 200 से अधिक अंक लेकर अपने माता पिता व विद्यालय का गौरव बढाया। संस्था के चेयरमैन रोशनलाल यादव ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा उन्होंने बताया कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। प्राचार्य हरिप्रकाश ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का बहुत बड़ा महत्व होता है। एक खुशहाल जीवन के लिए हमारे जीवन में अनुशासन होना जरूरी है।

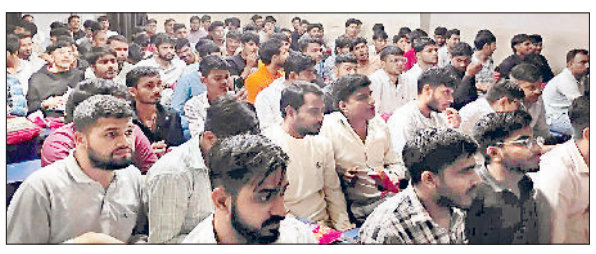

जीनियस एकेडमी में होली पर दिखाई देशभक्ति फिल्म

महेंद्रगढ़। जीनियस एकेडमी में होली से पूर्व होली मिलन समारोह आयोजित किया, जिसमें सभी विद्यार्थियों की सत प्रतिशत उपस्थिति रही। एकेडमी निदेशक अमित यादव ने सभी विद्यार्थियों को होली की शुभकामना दी। उन्होने कहा कि रंगों के पर्व होली का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। हमें जीवन में भी हर प्रकार के रंग देखने को मिलते हैं तो हमें निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए, ताकि हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उन्होने कहा कि होली के अवसर पर सभी को प्रेम और भाईचारे के साथ होली का पर्व मनाना चाहिए। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत हिंदी फिल्में बॉडर 2 व 120 बहादुर फिल्म दिखाई गई।

बीआर के 11 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल में लहराया परचम

महेंद्रगढ़। ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में बीआर स्कूल सेहलंग के 11 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में चेयरमैन हरिश भारद्वाज व अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। समारोह के दौरान सभी सफल विद्यार्थियों को फूलमाला पहनाकर तथा मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। छठी कक्षा में प्रवेश लेने के लिए सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों में अक्षित पुत्र सुधीर स्याणा, विक्रांत पुत्र प्रवीण कुमार सेहलंग, युग जांगड़ा पुत्र पवन कुमार सिहोर, आरव पुत्र अंकित सेहलंग, पूर्व पुत्र संदीप बसई, केशव पुत्र सुरेश चांगरोड, सोनम पुत्री मनीष पोता, रिया पुत्री सतीश बसई, जतिन पुत्र जयभगवान खेड़ी, यतीन पुत्र अनिल खेड़ी तथा जयंत पुत्र अनूप सेहलंग शामिल हैं।

खिलाड़ी कनिष्क चौहान को सम्मानित करने की मांग

नारनौल। प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने हरियाणा सरकार से अंडर 19 क्रिकेट वर्ल्ड कप की विजेता भारतीय टीम के एकमात्र हरियाणा के खिलाड़ी कनिष्क चौहान को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा है कि हरियाणा राज्य की खेल नीति के अनुसार विश्व चैंपियन खिलाड़ियों को जो नगद इनाम देकर सम्मानित किया जाता है, वही नगद इनाम कनिष्क चौहान को दिया जाए। ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए अतरलाल ने कहा कि अंडर 19 क्रिकेट वर्ल्ड कप के विजेता भारतीय टीम के झज्जर जिला के कुलाना गांव निवासी कनिष्क चौहान ने जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें ग्रामीणों द्वारा सम्मानित किया जा रहा है, लेकिन राज्य सरकार की तरफ से अभी तक उनको सम्मानित न किए जाने और न ही कोई नगद इनाम की घोषणा किए जाने से राज्य के खिलाड़ियों व जनता में भारी रोष व्याप्त है।

नांगल चौधरी। गुरुकुलम स्कूल में हवन में आहुति डालकर नए सत्र का शुभारंभ करती प्रबंधन कमेटी।

हवन से किया शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

नांगल चौधरी। दी गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या निर्मला चौधरी की अध्यक्षता में शैक्षणिक सत्र शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के चेयरमैन अभय सिंह गुर्जर मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में शिक्षक स्टॉफ और विद्यार्थियों ने हवन में आहुति डालकर नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थियों को धार्मिक अनुष्ठानों की महत्वता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में परंपरा और वैज्ञानिक विचारधारा का समावेश है, जिससे समाज में काम करने की सकारात्मक ऊर्जा तथा मनोशक्ति का संचार संभव हो पाता है।

मॉडर्न स्कूल के 11 विद्यार्थी सैनिक स्कूल में उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के लिए 18 जनवरी को परीक्षा आयोजित करवाई गई थी। इस प्रवेश परीक्षा में मॉडर्न स्कूल के 15 विद्यार्थी दाखिल हुए थे, जिनमें से 11 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पास की। कक्षा छठी में दाखिले के लिए यह परीक्षा 10 विद्यार्थियों ने दी थी, जिसमें से सात विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पास की। इसी प्रकार नौवीं कक्षा में दाखिले के लिए यह परीक्षा पांच विद्यार्थियों ने दी थी, जिसमें से चार विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की। सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को संस्था के चेयरमैन अमरजीत सिंह यादव, निदेशक राजकुमार यादव, हवा सिंह यादव, प्रबंधन समिति के सदस्य नवीन कुमार, मनोज कुमार, सपना देवी, प्राचार्य अनिल कुमार, उप-प्राचार्य शकुंत शहरावत, वरिष्ठ अध्यापक राम सिंह, राकेश कुमार तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने मेंडल पहनाकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

इन्होंने पास की परीक्षा

कक्षा छठी में दाखिले के लिए युग पुत्र संजय शहरावत, अंश पुत्र संदीप, मनन पुत्र अशोक कुमार, आरव पुत्र रामकिशन, दिव्य पुत्र मनोज कुमार, पूर्व पुत्र शिवचरण, हिमांशु पुत्र बिशन आदि ने यह परीक्षा पास की। इसी प्रकार कक्षा नौवीं में दाखिले के लिए योगेश पुत्र परमानंद, साहिल पुत्र नरेंद्र कुमार, दीपेश पुत्र सोनू कुमार, गुंजन पुत्री कृष्ण कुमार आदि ने यह परीक्षा पास की।

ओएसिस स्कूल में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

ओएसिस विद्यालय में शनिवार को पुरस्कार वितरण सामारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अलग अलग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में बच्चों को बधाई दी तथा कहा कि कि आप एक बहुत अच्छे वातावरण में महर्षि च्यवन ऋषि की तपोस्थली में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। पवन भारद्वाज ने बच्चों को तीन बातों का विशेष ध्यान रखने का वादा लिया।

नारनौल। ओएसिस स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अपने आपको अनुशासन में रखें

उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि पहला मोबाइल आदि के दुरुपयोग से बचें, दूसरा जंक फूड न खाकर पौष्टिक भोजन ग्रहण करें व तीसरा अपने माता, पिता व गुरुजनों से कोई बात नहीं छुपाएं तथा अपने आपको अनुशासन में रखें, जो बच्चा इन तीन बातों का अनुसरण करेगा उसको अवश्य ही एक दिन सफलता रूपी फल मिलेगा। विद्यालय प्रबंधन की तरफ से मुख्य अतिथि को विद्यालय के लिए समय निकालने व बच्चों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि आपके द्वारा बताए गए बिंदुओं पर चलने के लिए बच्चों को समय समय पर मार्गदर्शन व प्रेरित किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस में अत्याधुनिक प्राइमरी जिम्नेजियम शुरू

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय के प्राइमरी विभाग में एक अत्याधुनिक जिम्नेजियम का भव्य उद्घाटन किया गया। संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने विधिवत रूप से रिबन काटकर इस नई सुविधा का लोकार्पण किया। प्राइमरी जिम्नेजियम का उद्घाटन समारोह बेहद उत्साहपूर्ण रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जिम्नास्टिक प्रदर्शन और मनमोहक नृत्य रहे। छात्रों ने अपनी ऊर्जा, संतुलन और लचीलेपन का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अतिथि मंत्रमुग्ध हो गए।

खबर संक्षेप

कनीना में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

नारनौल। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्देशानुसार पुनरीक्षण प्राधिकारी कनीना एवं उपमण्डल अधिकारी कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह ने नगर पालिका कनीना के सभी वार्डों की भिजवाई गई मतदाता सूचियों के प्रारम्भिक प्रकाशन की सूचना का अतिरिक्त उपायुक्त तरुण पावरिया ने प्रारम्भिक प्रकाशन कर दिया। हरियाणा नपा निर्वाचन नियमावली के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित किए गए स्थानों पर दावें व आपत्ति कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नया कार्यालय भवन में स्थापित मतदाता सूचना एवं संग्रह केन्द्र के समक्ष सभी वार्डों एक से 14 के सात मार्च तक दावें व आपत्तियां प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

बाबा श्याम मेला: भक्तों ने यात्राएं निकाली

महेंद्रगढ़। बाबा श्याम मेले पर बवाना के खाटू श्याम मंदिर में भव्य देवोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालडी, संस्कार भारती डिग्री कॉलेज, बसई और जाट गांव से मंदिर तक भक्तों की यात्राएं निकाली गईं। इन यात्राओं में भक्तों ने बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए मंदिर तक पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा श्याम मेले पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया । इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भक्तों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थी।

इंडस्ट्री लगाने व प्रॉपर्टी में मोटा पैसा कमाने का लालच देकर हड़पे करोड़ों

आईटीआई प्राचार्य से 1.99 करोड़ का फ्रॉड, बैंक कर्मी भी शामिल!

आईसीआईसीआई, यश, एक्सिस, आदित्या बिरला व एचडीएफसी बैंक मैनेजर पर संलिप्त के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्राचार्य विनोद कुमार।

मामला वर्ष 2022-23 से शुरू हुआ, पैसा वापस नहीं आने पर की शिकायत

जिला मुख्यालय नारनौल की आईटीआई के प्राचार्य के साथ ही धोखाधड़ी हो गई। बार बार मना करने के बाद भी उन्हें इंडस्ट्री लगाने और प्रोपर्टी में मोटा पैसा कमाने का लालच दिया। इस झांसे में प्राचार्य फंस गया और अपने सहित परिवार व परिचितों के एक करोड़ 99 लाख रुपये गंवा दिए। मामला वर्ष 2022-23 से शुरू हुआ। तब से अब तक प्राचार्य को झांसे में लेकर परेशान भी किया। जब पैसा वापस आता दिखाई नहीं दिया तो प्राचार्य ने पुलिस की शरण ली। एसपी को शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर सात नामजद सहित आईसीआईसीआई, यश बैंक, एक्सिस बैंक, आदित्या बिरला बैंक व एचडीएफसी बैंक के बैंक मैनेजर पर भी संलिप्त के आरोप लगे है।

एमएसएमई लोन से फैक्ट्री का दिया झासा

आईटीआई के प्राचार्य विनोद कुमार ने सिटी पुलिस को शिकायत दी है। इस शिकायत में प्राचार्य ने बताया है कि वर्ष 2022-23 में आईटीआई महेंद्रगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार था। उस वक्त वहां ग्रुप अनुदेशक पद पर मीरसिंह कार्यरत था। उसके पास ही राकेश कुमार लगातार हमारे संस्थान में आता रहता था। कुछ दिनों बाद मीरसिंह खुद अपने बेटे आशुतोष व अपने मित्र राकेश के साथ कार्यालय में आकर अच्छी प्रोपर्टी दिलवाने के लिए कहते रहते थे और वो सब ये बताते रहते थे कि हम आपको अच्छी जमीन दिलवाकर एमएसएमई के तहत लोन करवाकर अच्छी फैक्ट्री लगाकर देंगे और यदि जमीन नहीं दी तो उसके बदले में जो भी राशि आप दोंगे, उस राशि को ब्याज के साथ वापस लौटा देंगे। उन लोगों ने यह भी बताया कि हमारे पास एक अच्छी टीम है जो प्रॉपर्टी व अच्छा मुनाफा देने का कार्य करते रहते है। उसके बाद उनके द्वारा आठ फरवरी 2024 को एसबीआई बैंक अकाउंट में 19 लाख 95 हजार 100 रुपये डलवाएं जोकि एचडीएफसी बैंक का था तथा उसी दिन ही 20 लाख 92 हजार 921 रुपये डलवाएं जोकि आईसीआईसीआई बैंक का लोन था। मैंने उसी दिन यह लोन के रुपये इनके कहने पर आठ फरवरी 2024 को आशुतोष के एचडीएफसी बैंक अकाउंट में 21 लाख तथा उसी दिन दमन कुमार के आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में 20 लाख रुपये डलवा दिए। फिर कहा कि उसके अकाउंट में ओर लोन मत करवाना लेकिन अगले ही दिन नौ फरवरी 2024 को इन्होंने 22 लाख 27 हजार 939 रुपये आदित्य बिरला बैंक से खाता में लोन करवा दिया जो रुपये उसी दिन मीरसिंह के एचडीएफसी अकाउंट में 22 लाख रुपये डलवा दिए। उनके तीन दिन बाद उन्होंने एक्सिस बैंक से मेरे अकाउंट में 13 लाख 17 हजार 178 रुपये का एक ओर लोन करवा दिया। उसके बाद एक लोन येस बैंक से अकाउंट में 19 लाख 45 हजार 77 रुपये ओर डलवा दिए।

यह बनाया गया आरोपित

महेंद्रगढ़ में कुरावहटा रोड वासी मीरसिंह व उसका बेटा आशुतोष, आमगामनी सोसायटी रेवाड़ी से राकेश, हिमाचल प्रदेश के मनाली में क्लब हाउस रोड पर रहने वाले दमन कपूर, जींद नागुरा वासी जोगिंदर, एन्जेल इन्डस्ट्रीज कोलकाता डायरेक्टर, नारनौल शहर वासी अनिल कुमार के अलावा बैंक मैनेजर आईसीआईसी, यश बैंक, एक्सिस बैंक, आदित्या बिरला बैंक व एचडीएफसी बैंक संलिप्त है। इन सभी को आरोपित बनाकर इन पर आईपीसी 1860 की धारा 120बी, 294, 34, 406, 420, 506 के तहत केस दर्ज किया है।

कोलकाता में इंडस्ट्री बता ठगे लाखों

एक दिन मीरसिंह ने बताया कि उसकी इंडस्ट्री कोलकाता में है और वह वहां जाकर भी काम करत है। जिसका नाम एंजेल इंडस्ट्री है और उसके अकाउंट का मालिक मैं और मेरे कुछ मित्र है। जो अच्छा बिजनेस कर रहे है। उसने उस अकाउंट की डिटेल भी दी और बताया कि आपको एंजेल इंडस्ट्री में पैसे देने है जोकि आपके अकाउंट से एंजेल इंडस्ट्री के अकाउंट में ही जाएंगे। मीरसिंह की बातों में विश्वास करके खातों में एंजेल इंडस्ट्री के खाते में डाले। यहां पैसा 25 अगस्त 2023 को पत्नी के एसबीआई अकाउंट से पांच लाख और 29 अगस्त 2023 को तीन लाख डाले गए। उसके बाद छह सितम्बर 2023 को पांच लाख डाले गए। फिर 30 सितम्बर 2023 को मेरे अकाउंट से 50 हजार डाले गए। इसके बाद 11 अक्टूबर 2023 को पांच लाख 50 हजार उपरोक्त अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। फिर 18 अक्टूबर 2023 को तीन लाख 50 हजार डाले गए। इसके बाद 16 दिसम्बर 2023 को उपरोक्त अकाउंट में रितेदार जयपाल सिंह के अकाउंट से 22 लाख रुपये उपरोक्त अकाउंट में डाले गए। इसके अतिरिक्त 11 जनवरी 2024 को भाभी के द्वारा मीरसिंह के इंडस बैंक अकाउंट में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। उसके बाद 19 फरवरी 2024 को दोबारा मीरसिंह के एचडीएफसी बैंक अकाउंट में 10 लाख रुपये जमा करवाए गए। 30 मार्च 2024 को पत्नी के खाते से मीरसिंह के एचडीएफसी बैंक खाता में आठ लाख रुपये डाले गए।

नकली हस्ताक्षर के कारण हुआ चेक बाउंस

जब वह इनसे जमीन या पैसों की डिमांड करता तो ये आनाकानी करते और एक दिन इन्होंने कहा कि आपका सारा पैसा चेक के द्वारा वापिस आपको मिल जाएगा। उसके कुछ दिनों बाद इन्होंने डाक के द्वारा एक चैक भेजा, जिसकी अमाउंट 39 लाख 57 हजार की थी। यह चेक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का है। यह चेक अकाउंट में लगाया तो बाउसं हो गया। बैं अधिकारियों को तर्क था कि चेक पर हस्ताक्षर नकली है। यह खाता भी बंद पड़ा है। इस बारे में जब फोन पर मीरसिंह, उसके बेटे आशुतोष, दमन कपूर व राकेश यादव से पूछात तो इन सभी लोगोंन ने फोन उठाना बंद कर दिया। जब उनके मिलने की कोशिश करता तो मिलने से आनाकानी करने लगे। अब यह लोग ना तो फोन उठाते है ना ही कहीं मिलते है। इन सब पेमेंट के साथ और बाद में भी इन सब को जमीन व प्लाट देने के लिए कहा। शिकायतकर्ता ने एसपी से मांग की है कि उपरोक्त सभी अपराधिक व्यक्तियों, बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की भी एफआईआर दर्ज करते हुए इन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

49 विद्यार्थियों ने क्षेत्र का नाम रोशन किया

श्रीकृष्णा ग्रुप के छात्रों ने की सैनिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी का इजहार करते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

- शिवकांत शर्मा ने 400 में से 356 अंक प्राप्त कर मनवाया लोहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा ग्रुप ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में स्कूल के 49 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यातिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व विशिष्ट अतिथि सीईओ कर्मवीर राव ने शिरकत की, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एसएस यादव द्वारा की गई। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि 18 जनवरी को रेवाड़ी में आयोजित इस परीक्षा में स्कूल के विद्यार्थियों ने कड़े परिश्रम और समर्पण के साथ हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि नतीजों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। छात्र शिवकांत शर्मा पुत्र प्रदीप शर्मा ने 400 में से 356 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वहीं, प्रिंसी शर्मा ने 300 में से 258 अंक और सक्षम ने 300 में से 245 अंक हासिल किए। इनके साथ ही आरू कटारिया, जतिन यादव, अमन, स्नेहा, प्रशांत, चिराग, रज्जी यादव, देव, नचिता, प्रतीक, तरूण, मुकुल, सानवी, गरिमा, मयंक, संयक, हर्ष, नक्ष, हैवन और यमन ने भी परीक्षा क्वालीफाई कर अपनी योग्यता साबित की। श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा से कार्डिनेटर स्मृति शर्मा ने बताया कि कक्षा आठवीं से कार्तिक पुत्र पवन कुमार रामपुरा ने 304 अंक, कीर्तिका पुत्री हरिश सिलारपुर ने 290 अंक, आशीष पुत्र कृष्ण निवासी कलवाड़ी ने 290 अंक प्राप्त किए। वहीं कक्षा पांचवीं से साचित पुत्र सुरेश बिहाली ने 260 अंक सहित श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा के 26 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की।

शारदा कॉलोनी में सप्ताह से पेयजल सप्लाई ठप

- कॉलोनीवासियों ने लगाया पानी सप्लाई में भेदभाव का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। पेयजल संकट से परेशान होकर रोष प्रदर्शन करते शारदा कॉलोनी वासी। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल रोड पर स्थित शारदा कालोनी वार्ड 11 में बीते एक सप्ताह से पेयजल सप्लाई ठप पड़ी है। परेशान लोगों ने विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया। इसके बावजूद स्थिति यथावत बनी है। जिससे आक्रोशित लोगों ने खाली मटके लेकर आक्रोश व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने 24 घंटे में पेयजल सप्लाई को दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया है। अन्यथा खंड कार्यालय पर धरने प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। पूर्व पार्षद के प्रतिनिधि सोनू तंवर, राजेश योगी, हंसराज फौजी, श्यामलाल शर्मा, महावीर मास्टर, सोमदत्त जांगड़ा, पप्पू लुहार, कर्णसिंह, लीलाराम, शारदा, मारूति कुमारी ने बताया कि विभाग ने वार्ड वाइज पेयजल सप्लाई लाइन बिछाई है। पानी का समान बंटवारा करने के लिए निर्धारित प्वाइंटों पर वॉल लगा दिए। जिन्हें ऑपरेटर संचालित करते हैं। शारदा कॉलोनी का वॉल एसबीआइ बैंक के पास लगा हुआ है, लेकिन यहां पानी के वितरण में भेदभाव हो रहा है। वार्ड को हिस्से का पूरा पानी नहीं मिलने के कारण लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आपूर्ति के लिए अधिकांश लोग वाटर टैंकरों से पानी मंगवाना आरंभ कर दिया, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर लोग टैंकर का भुगतान करने में सक्षम नहीं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया, उस दौरान उन्हें चार पांच घंटे में पानी की सप्लाई को सुचारू करने का आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक स्थिति यथावत बनी हुई है। परेशान लोगों ने उपायुक्त से पेयजल व्यवस्था को सुचारू करवाने की गुहार लगाई है।

गांव जैलाफ की गलियों, मुख्य रास्ते और फिरनी को पक्का करने की मांग

- ग्राम विकास एवं पंचायत मंत्री के नाम लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। गांव जैलाफ में रास्ते में जमा गंदा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

जनपद के गांव जैलाफ के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने गांव की गलियों, मुख्य रास्ते व फिरनी के रास्तों के निर्माण हेतु विकास एवं पंचायत मंत्री हरियाणा सरकार के नाम ईमेल डायरेक्टर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग को भेजकर उबड़ खाबड़ रास्तों को सही करने की मांग की है। पत्र में ब्लॉक के गांव जैलाफ में गांव की गलियों सहित फिरनी रास्तों को बंधवाने आग्रह किया है। पत्र में कहा कि उपरोक्त विषय में निवेदन है कि गांव जैलाफ के मुख्य रास्ते, गलियारे, गांव की गलियां व की फिरनी का रास्ता बेहद उबड़ खाबड़ है। जिससे ग्रामीणों को इनरास्तों से आने जाने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गांव के बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे इन उबड़ खाबड़ रास्तों पर चलने से गिरकर चोटिल हो रहे हैं। अतः निवेदन है कि गांव के मुख्य रास्ते, फिरनी व गलियों व गलियारों को पक्का बनाया जाए।

महेंद्रगढ़। बनाई हुई प्रदर्शनी दिखाती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों, मॉडल प्रदर्शनी, भाषण प्रतियोगिता, क्विज और पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, जल संरक्षण तथा अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े आकर्षक और उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से वैज्ञानिक सोच और नवाचार की अद्भुत क्षमता का परिचय दिया। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने भी विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पशुपालन विभाग के डीडीए डॉ.चंद्रभान सोनी सेवा के 33 साल बाद हुए सेवानिवृत्त

- रागिनी के माध्यम से सेवाकार्य का किया भव्य व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डीडीए डा चंद्रभान सोनी के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में मंचासीन।

पशुपालन एवम् डेयरी विभाग के उप निदेशक डॉ चंद्रभान सोनी अपनी 33 वर्ष की सेवा उपरान्त सेवानिवृत हो गए हैं। उनकी इस सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में पशुपालन विभाग कनीना के उपमंडल अधिकारी डा. बलजीत सिंह ने एक बहुत ही शानदार रागिनी के माध्यम से उनका विभाग में आगमन और सेवानिवृत होने तक किन–किन स्टेशनों पर रहकर कार्य किया, का सुंदर तरीके से बखान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन एवं डेयरी विभाग उपनिदेशक डा. नसीब सिंह ने की।विशिष्ट अतिथि सिंचाई विभाग कार्यकारी अभियंता इंजी. संदीप नसीहर, पशुपालन के पूर्व उपमंडल अधिकारी डॉ राजकुमार यादव, पूर्व चेयरमैन कोऑपरेटिव बैंक ओमप्रकाश सोनी, प्रिंसिपल सतीश, नपा के पूर्व उपप्रधान कैलाश, पविंद्र, सिंचाई विभाग के उपमंडल अधिकारी राजेश वर्मा, प्रधान राहुल सोनी मौजूद रहे।

आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में प्रवेश परीक्षा 8 मार्च को

नारनौल। नांगल चौधरी खंड के अंग्रेजी माध्यम आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढाणा में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी, नौवीं व 11वीं में के लिए प्रवेश परीक्षा आठ मार्च को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा हेतु पांच फरवरी से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि छह मार्च है। रजिस्ट्रेशन फॉर्म आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में उपलब्ध है तथा रजिस्ट्रेशन फॉर्म कार्यालय आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा में ही जमा करवाना होगा। कक्षा छठी में 40 सीटों, कक्षा नौवीं में 30 सीटों व कक्षा 11वीं में 30 सीटों पर दाखिला होना है। कक्षा नौवीं व 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा सुबह 10:30 से 12 बजे तक तथा छठी के लिए प्रवेश परीक्षा दोपहर एक बजे से 2:30 बजे तक होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा व पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी बनाए गए हैं।

मंडी अटेली। सलीमपुर में बनवाई गई डिजिटल लाइब्रेरी। *फोटो: हरिभूमि*

सलीमपुर डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर सरपंच कुमारी आरती ने अपने चुनावी वादों को साकार करते हुए गांव में एक आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण करवाया है, जिसका उद्घाटन एक मार्च को किया जाएगा। कुमारी आरती इससे पहले पंचायत विभाग की ओर से पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार द्वारा गौरव अवार्ड से सम्मानित की जा चुकी हैं। उनका मानना है कि यदि गांव में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध हों तो युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। सरपंच का कहना है कि यह लाइब्रेरी केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि डिजिटल संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना पंचायत समिति के सहयोग से साकार हुई है।

ट्रैफिक मैनेजर की ज्वाइनिंग पर कर्मियों ने किया भव्य स्वागत

नारनौल। रोडवेज डिपो में शुक्रवार को नए ट्रैफिक मैनेजर जरनैल सिंह (टीएम) के पद पर ज्वाइन कर लिया। जरनैल सिंह पहले रेवाड़ी डिपो में संस्थान प्रबंधन के पद कार्यरत थे। रोडवेज में आने से पहले वह एयरफोर्स (1995 से 2015 तक) में भी सेवाएं दे चुके हैं। ट्रैफिक मैनेजर की ज्वाइनिंग पर कर्मचारियों ने उनको गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर ट्रैफिक मैनेजर ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वह आने वाले समय में नारनौल डिपो के कर्मचारियों, रोडवेज विभाग और जनहित के लिए मिल–जुलकर अच्छे से अच्छे कार्य करने का प्रयास करेंगे। स्वागत में डिपो से पूर्व प्रधान अनिल भीलवाड़ा, करतार सिंह डीआई, महेश इंस्पेक्टर, यजुवेंद्र क्लर्क, लालचंद सुपरडेंट, प्रीतम, कुलदीप मास्टर, दलजीत, विकास मुंगारका, सुंदर नेवल, दयानंद, सज्जन, अनूप, राजेश, महेश, दर्शन व रजनीश आदि रहे।

ग्रामीणों ने पुलिस पर चोरी के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करने का लगाया आरोप

चोरी का माल बरामद नहीं करने पर बड़कोदा के ग्रामीण पहुंचे सदर थाना

पुख्ता सबूत उपलब्ध कराने के बाद भी पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सदर थाने पहुंचे गांव बड़कोदा के ग्रामीण। *फोटो: हरिभूमि*

शनिवार को बड़कोदा के ग्रामीण एकजुट होकर सदर थाना पहुंचे तथा पुलिस पर चोरी के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज से लेकर इस चोरी में रेकी करने वाले युवक तक को पुलिस के सुपुर्द कर चुके, लेकिन पुलिस अब तक चोरी का माल बरामद कराने में नाकाम रही है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर ज्यादा रोष था कि जो सबूत जुटा रहा है, वह पीड़ित ही जुटा रहा है, पुलिस सबूत देने के बाद भी वह कुछ नहीं कर रही। पीड़ित आर्मी से रिटायर गोपीचंद शर्मा ने बताया कि बीती 7 जनवरी को दिन के समय वह तथा उसकी पत्नी कहीं बाहर गए हुए थे। उनके पीछे से घर में चोरी हो गई। इसमें सवा किलो चांदी तथा करीब 18 तोले सोना शामिल है। लगभग 24–25 लाख के गहनों एवं नकदी की चोरी हो गई थी। इस दौरान उसके छोटे भाई ने फोन करके बुलाया कि जहां हो जल्दी आ जाओ, घर में कुछ हो गया, जिसके बाद उन्होंने फोन करके पुलिस को बुला लिया। मौके पर पीसीआर भी पहुंच गई। सदर थाना एसएचओ भी पहुंचे थे। जिसके बाद पुलिस ने आगामी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक दिन सामान नहीं छेड़ने को कहा था, जिसके बाद अगले दिन फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी आए तथा डंप लिए। मगर इसके बाद पुलिस ने कुछ भी कार्रवाई नहीं की। दूसरी गली में लगे सीसीटीवी देखे। जहां पर कुछ संदिग्ध दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले में सही कार्रवाई नहीं की जा रही है।

संदिग्धों पर नहीं हो रही कार्रवाई

पीड़ित का आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस केवल दो बार मौके पर आई। एकबार फिंगर प्रिंट टीम और दूसरी बार डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया, लेकिन इसके बाद मामले में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने जांच अधिकारी को एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम दे चुके हैं तथा एक अन्य व्यक्ति के शामिल होने की आशंका जताई थी, जिसने चेहरा ढका हुआ था। बावजूद इसके अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी। 30 जनवरी को ग्रीवेंस कमेटी में भी आवेदन दिया गया, जहां शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन मिला, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सीएम विंडो में भी शिकायत लगाई, मगर पुलिस ने अभी तक चोर को नहीं पकड़ा है।

यह बोले जांच अधिकारी

इस मामले में जांच अधिकारी रामकुमार ने बताया कि उन्होंने संदिग्ध से पूछताछ की है, मगर उसका चोरी करना नहीं पाया गया। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है, जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर विकास यादव बड़कोदा, जयपाल नंबरदार, दलीप सिंह, घीसाराम, रामौतार, पूर्व सब इंस्पेक्टर बलकेश, एसआई नरेश कुमार, राजवीर यादव, दीपचंद शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि सहेंद्र, महेश मेहता, कृष्ण कुमार यादव समेत अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।